

13

140/18<sup>N</sup>

commentary on Gāhalakhava Ashloky?



ईदं उक्तं कंग हलाच वस्थु साहर्न  
 संपुनं समाप्तं सु नमंगलं सुहीर  
 नव वीमंगलं दही मास्यैत्र सुद्व॥

तुहिं देव देवाक ई देव शोवाक हं को न मेवा ते ने नाम ली ज्ये तुहिं वे दवा नी व  
 स्वा नी न वा नी तुहिं न क दा नी क पा वे नी कि ज्ये ॥ १ ॥ नो मा त तै शों क हं वा  
 त गो शों द्र गों शो त मे हु क पी ड उ क पी ज्ये प र्व ह मा या क नो मे हे दा या व नं  
 उ हि व य नी व नं उ हि व य द दी ज्ये ॥ २ ॥



श्रीगणेशायनमः॥ ग्रहलाघवस्य उदाहरणं भाषां ॥ संवत् १७८८ साके १८८१  
अयनांशा २०१७ साके मोचौ दहस्यै १४४२ वै यात्नीसक  
मीकीन जो सेष जहो २१८ सो ये कै न नि वर्षे ग्रहलाघौ को व  
४ स्त्रा ने नई ॥ पुनि साद्वै २१८ म्याच ह ११ सौ मागु लिन लद्युं १९  
चक्रांश ॥ सेष १० वकी १२ हतं १८० पुनि चैत्र सुक्र पजे वा  
तै गत मास ८ दीन जुन जातं १२८ सो प्रथक १२८ पुनः



२॥

पुनः चक्रं १९ पंचमं पुनः २५ पुनः

प्रथमं १५ येकत्रल धीषद्व २६ ल द्ये ल वमदिवसा २  
 नेदुत्तरी ल इगा कमि कीन जा गो ल हर्गिनः १५ पुनः स  
 प्रगणं जा नं १ जो वारु येकु कमी लावे यो येकु जो नी देव सोहैं।  
 येकु ल धी धी क लावे देह दें येकु चरा इदिन सोमवार  
 को लं कु लु न्ये जान व ल ल हर्गिनः २५ पुनः इती ल हर्गिन वी  
 वी धी लाय मध्ये मा धी कारः स्य पनगे नी ल हरगना २५ १ स्या



चंक्रं १० दी २ घंटा न ३८ पुनः दिग्यु १० कं जावं ४८ पुनः ये  
कच जुवं १७ ५ पुनः सुमर ३३ मं कं न घं ५ सुधी मात्पद्मो पं ११  
सागः सुधी मात्पाये पांचने दुस्पनी जदगां जेने जावं १३ पु  
नः पत्री ३० घं ३९ पुनः गवनी नी ५ सुक्र पने वावं मन  
व पुनः जुक्तं ५९ पुनः चक्रा १० गां ५ जुदं जावं ४० १५ सो



स्वा ३८५१ येन पनग ७० कलधुं ५८ स्वेपं ३१ सोसाठीछसे  
गुनोजानं १८८० पुनिसनरीसौ ७० कागुलिनलधुं २८ स्वेपं ४०  
पली ६० धुंजानं १४०० पुनः पनग ७० नकलधुं ३४ स्वेपं  
सागः लसीकौती ननागलीनने धने लं स्पदी जानव ५८  
२८२५३४ ने दुपरी जाईमां मोकमीकीन जानं ३८८४ ३३ २८  
पुनीलदुर्गनः धनो ३८५१ पुनीडेठ सौप ५० सौंवागुलीनल



ध्वं २८ सेपं ५१ षष्ठी ८० चूंजादं १० ६० पुनः प नीथी पप० क  
कंलध्वं २० सेपं सागः भागद्वयं २५ २० ते जो सगरी के भाग क  
जी संसक गहै ते ह की चटी पन नमो चारि देव सगै जाहैं  
चटी पन नमो नघटै ताहैं अंस नगे ये कु अंस ले के चर उव  
सोई हौ चटी नमो घटो जातं ३८ २४ ७ १८ पुनः गशा  
सकं कोर्थः तीस सों भाग लेउ पन घजे पुनी वार ह सें से ॥३॥



पुनीष्टुवांकाः ७१२१४१५०१० चक्र १० सौ गुणीतं जातं  
२१२३१५०१० सेदिनगननवनेटमो घाटावो जातं २१५४५५५५  
पुनीष्टे पांकाः ०१२७१३८१० मै लुं वं जा गो म घा मं ३१४१५५५५  
अथ नौ म दी घे नी न्प्र हर्ग ए कौ द स १० सौ गुणे घ मे दी ई जा  
इ मां ३०५१०११३०५१०१ य क जा इ मां व न ई स सौ जा गु ली न  
लघुं २०७९१२ चर ५ जा ग त्र यं दु स री जा ई मां मे दी ह री  
७३ सौ जा ग ली न उ ई लघुं ५ ५११३ पुनी जे व न इ स सौ जा



[illegible]

कुनी



गण घ नो ३६५१ पुनी चरि ससो जा गु ली न लघं भा ग द्यं  
 १०३१ पं ८ सो कं ला सुं न् १२७४ १३५ १९६ जा तो दी न ग म न न व  
 वे टः पु नः रा शा द म् कं ११४ १३५ १९६ पु नी छ्वां काः ४१३ १२७  
 ०। च क्रे १९ पा गु नी दं ता दं ६५ १३३ १० रा प्र। त्म कं ग्र हे पु न्यु नं  
 जा दं ६ १२९ १२ १९६ पु नः द्वे पां काः ८ १२९ १३३ १० तै र्जु दं जा तो  
 म ध्य सैः ३ १२८ १३५ १९६ अ च गु रो प्र ग ण्य च नो ३६५१ पु नी वा न् १५  
 ह १२ सो जा गु ली न लघं जा ग व यं ३२९ १९५० पु नि प्र ह ग र्न घ नो



॥११॥

३६५१ पुनिस्तती ७० सों जगुति न लखं जगद्वयं प५२६ सो। ली  
पिता सुहीनं जातं ३२८। १८। ३४। पुनी सुशात्मकं १०। १८। १८। ३४  
१८ पुनिष्टुवांकाः ७२६। १८। १० चक्रेन १९ गुनी नं जातं ४। १९। ४२। १०  
पुनः न्युनं जातं ६। ८। १८। ३४ दोपांकाः ७। १२। १९। ६। १० मैर्लुनं  
जानो मध्यमः १। १०। १५। ३४ अथ जगो के द्रानेयनं न्यहर्गनघ  
नो ३६५१ तीन सों ३ गुणे ११८५३ सोदीमा ५५८५३ थकत्रपंच ५  
नक्तं लखं जगत्रयं मंशादिः २३७०। ३६। १० पुनः दुसरी जाइगं

॥११॥



यकसौ यक्यासी १८१ सो मागुली नलघंजा गत्रयं मंसादीः ८५  
२८१०। ७ नलो रलो मांजा वं २४३६। ५। १० माश्यात्मकं ९। ८। ५  
१० प्रुवांकाः १। १४। २। १० चक्रप ९। सो मागुली नं जानं ३। २६। ३८। ०  
दिन मन न वरेट मो घटा वो जानं ५। ९। २७। १० दोषांकाः ७। २०  
९। १० तैर्जुनं जातो मध्यमग्रहः ०। २९। ३६। १० अथ सनेः ॥  
अहर्गणघरो ३९५१ पुनिगीम ३० सो मागुली नलघंजा ग  
त्रयं मंसादीः १३१। ४२। ० पुनि स हर्गन घरो ३९५१ पुनी



ये कसों १५६ द्वाप न सों जा गुली न लखं जा ग द्यं कला दीः  
 २५१९ सोर्य सादी जा ग की कला वी कल नमो जोरो जानं १३२  
 ७१९ पुनी रा शात्मकं ४१२ ७१९ घुवां काः ७१५ ४२  
 चक्रे १९ न मुनी तं जातं १०१२ य १८ १० पुनि दिन ग न न वषे  
 र मा घटा वो जातं ५१३ ४९ १९ पुनः द्योपां काः ९१५ १०  
 नैर्जुतो जातो मध्यम राः २१२९ १० १९ ५५ मध्यम मणि सादा  
 सु की

रु	च	उ	मं	उ	गु	श	रा
५९	७९	६	३९	१८६	५	३९	२
८	३५	४९	२६	२४	९	०	११

इति मध्यम राची कारः



नकुसुर्चदि मद्यमाहीकिंरुः दयः सगनयः मद्यमसुर्च

सु	चं	उ	मं	उ	मु	सु	रा	जा
८	५	३	८	३	१	०	२	३
९३	११	१५	२	२८	१०	२९	२९	४
३१	१४	१६	२७	३५	५३	३६	१०	२३
५२	७९	६	३१	१८६	५	३१	२	३
८	३५	५१	१६	३४	०	०	०	११

घनो ८। ९। १३। ३१ पुनीसुर्च  
 को मंदे च घनो २। १८। ०। ० पु  
 नीसुर्च को मं च मो घनो बोर्जी  
 व सों इ हां न घट न ह नो वे ही  
 ने मं दो च की रा सी मो वार ह १२  
 प्री र जो रे जा नं १४। १८। ०। ० पुनीसुर्च घट य न। नं ॥  
 ८। ८। ४६। १३ य ह को ना उ मं द के इ जो मे पा दी छ।

मंद



नकुसुर्चदि मध्यमाष्टीकिं दयः सगनयः मध्यमसूर्य

सु	चु	उ	मं	उ	मु	सु	प्रा	जा
२३	७	२	८	३	१	०	२	३
२८	११	१५	२	२८	१०	२२	२२	४
१३	१७	१४	२७	३५	५३	३६	१०	२३
३१	१४	२६	१२	१९	३४	१०	१९	२२
५२	७९	६	३१	१८	५	३१	२	३
८	३५	४१	३६	३४	०	०	०	११

घनो ८।९।१३।३१ पुनीसूर्य  
 को मंदे च घनो २।१८।०।० पु  
 नीसूर्य को मं च मो घट बोर्जि  
 व सों इ हां न घट हा हु नो मे ही  
 ने मं दे च की रा सी मो वार ह १२  
 पुनीसुर्ज घट य जा नं ॥  
 दादा ४६।२३ य ह को ना उ मं द के इ जो मे पा दी द्वा

मंद



॥ ५ ॥

राशी होइ नौ फल घन करव जो तुला दीछा राशी होय नौ कन  
सोइ होइ तुला दी केन्द्र है वेहि ने कन करव पुनी केन्द्र घर वसो  
घने ८। ८। ४८। २३ पु निजु ज करव जो निन रासी ते कमी  
होइ तेहि कोना मजु ज दोस्त्रि जो एति जो नीन रासी ते अ  
धिक अ। ठ रासी लगें छ। सो साधव ॥ जो नव कि राशी होइ  
नौ ते ही ते वा रहल में वा रह मो सो घ व ॥ सोइ होइ छ। राशी हो

॥ ८ ॥



ने ही नें द्यु। मे। स्वे। चो जा तो जुजः०। ८। ४६। २३ पुनि जा  
ग करुन गरी को तीना ३० गुन करुन प्रसा जोरुव ने ह के।  
ना। उ जा ग॥ सो इ हो गरी न हति ने ही ने सू न्यु मे जोरो जा तो  
जा ग दीः ८। ४६। २३ पुनि न व प्रो। ए जा गु ली न ल वं ० से  
बे ८। ४६। २३। सो स ठि गुन की न न रे के प्र के जो रे जा नं ५२८। २३ पुनी  
न व सो। ए जा गु ली न ल वं ५८। शेष ४२३ से। स। ठि गुन की न

१ २ ३ ४ ५ ६ ७ ८ ९ १० ११ १२ १३ १४ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ३१ ३२ ३३ ३४ ३५ ३६ ३७ ३८ ३९ ४० ४१ ४२ ४३ ४४ ४५ ४६ ४७ ४८ ४९ ५० ५१ ५२ ५३ ५४ ५५ ५६ ५७ ५८ ५९ ६० ६१ ६२ ६३ ६४ ६५ ६६ ६७ ६८ ६९ ७० ७१ ७२ ७३ ७४ ७५ ७६ ७७ ७८ ७९ ८० ८१ ८२ ८३ ८४ ८५ ८६ ८७ ८८ ८९ ९० ९१ ९२ ९३ ९४ ९५ ९६ ९७ ९८ ९९ १००



ननेके त्रंकुं जोरे जातं १३८। पुनिनव ९ सों जागु लीन लखं २९  
 शीपं ४। १३ सों शी ६० गुनं की नगर के त्रंकुं जोरे जातं १८३। पुनी  
 नं वं ९ सों जागु लीन जागत्रयं ०। ५८। २९। पुनिवीश सों २० चं मे  
 यय जातं १९। १३९। गो। मुत्री का के के गुन व सो गो। मुत्री का  
 गुनी तै जातं मुन्ये न गुपि यं मुने पुनी नने के त्रंकुं कन के नने के त

०	५८	३९
१९	१९	१९
१	१	१
३१	३१	३१

०	५८	३९
०	१११	५५५
०	५८	३९
०	११९८८९	

त्रंकुं साठी ६० सों जागु लीन के तने ५५९  
 हे के मध्य के त्रंकुं मो जोरे १७९८



गजाश्विनो २८ गोदाहना ३९ <sup>ना</sup> गक्रता ४८ पयोधो वाशा  
५४ ॥ द्विरगे पु ५७ ॥ ५७ मिता हुताश वाशा ५३ शरवे द  
४५ त्रिगुणा ३३ घृति १८ ॥ ख० माकी ॥ ५॥ जौ मा की ज्य  
विहीन मध्यमरविः स्थात्वा शुके द्रुविद्रु गो रु कमी  
दं रसो ६ घृमिन जा द्युघं त दशादिनेः १५ ॥ न काश्वादि  
फल क्रमादि ह ग तां को सौ क्ष या ध्या हुता चेषा द्वा शा कु १५  
लघादि न युग यं दिग्द ल वाद्यं फलम् ॥ ६ ॥ ख० गोश्वि  
नो २८ त्रि मरुतो ५७ दगजा ८५ नवाशा १०९ सिद्धे दवः १२४



[illegible]







॥ द मरिचलं विदधीत मध्ये ॥ द्रा घे द के पि च विलो म म त अ  
शी घुं न वं च त त्र वि दधी त न वे त स्फु टो सौ ॥ १० ॥ मां  
दां कां त र मा क्य स्फु टु रू शां न कं वा शा न गैः ७५ इ रैः ५  
श श मै ३० ॥ वि द्रु गो र्द्वि र ह ते पु ५ जा जि तं त द द्या । प्रा ग्व  
दि तौ म्रु टु स्फु टा सा ॥ ११ ॥ जौ मा अ लां क वि व रं श र ह  
त्त वा शां ५ शां ल्यं त्री ३ ह त क त ह तं ४ दि र म् शा ज ५ न कं म् १२ ॥  
त दी न य कृ क्ष य च ये च म्रु टु स्फु टा सा स्या य च ये च ह  
रु शा प ति ता तु व का ॥ १२ ॥ कु कार यो श ल न वं स ग



नवसोम दस्य य सुयके सं सचटीन मो जो वे जा ते  
क २१२८ १९०१२२ पु निमु ष की न २१२८ १९०१२२ ते ही  
तं पावे च न पंठा ती स न सां च र सं पंठा प त जा ते होत है जो स प  
सं कां ती के दी राग ड के जे सां गु र छ। या हो प ये दि को ना ठं प त जा  
से। मा हा ठ न के प त जा है ४।३० सो प त जा ति नि जा द गं च न व  
सो द गे ४।३०। ४।३०। ४।३०॥ पहिले द १।१० सां गु रो म द्य  
मो अ ठ ८ सो गु रो अ त मे द स सां गु रो पु नि सा ठी सो ८ ना गु



१७ चरि ज्ञान वसोम दस्य य सु य के अं स च टी न मो जो ने जा ते  
साय नार्क ८।२८।१०।२२ पु नि कु ल की न २।२८।१०।२२ ते ही  
ते पा वे च न पं ठा ती स न सां च र स पं ठा प ल जा ते हो त है जो मेष  
संक्रां ती के दी राग र्द्ध के जै सां गुरु रू या हो प ये दि को ना ठ प ल जा  
से। मा हा ठ न के प ल जा से ४।३० सो प ल जा ति नि जा द गं द न व  
सो द गे ४।३०।४।३०।४।३०॥ पहिले द १।१० सां गुरु रो म द्य  
मो अ ठ ८ सां गुरु रो अ त मे द स सां गुरु रो पु नि सा ठी सो ८ मा गुरु



गुनी नं ४०१३०० ॥ ११३२ ॥ २४०१ ॥ ४०१ ३०००

लौकैठ प रजोरे पुनी सं ग के सं क के को ती न सो जा गुनी सो गि वि  
चर संता ने प्र य क म ४५ संता दि गि य पंता ३६ तृती य संता १५ सो  
इ हां ती सर संता ५५ पावो ने हि सों सा य नार्क स्य जा शि वी हा य सं स २९  
क ला १० वी क ला २२ गुनी नं जा नं ४३५१५०१ ३३० पुनी सा ठी सो  
जा गु लै कैठ प रजोरे जा नं ४३७ पु नि ती स ३० सो जा गु ली न  
ल ३७४ सो य या गा पु नी प दि त पंता ४५ दि सर संता  
३६ ध री पुनी लि ह को जो गु कि न जा नं च नं २५ सो सा य न स ११७१



सु ते सत्याकी ॥ ३० ॥ १२८ ॥ १२० ॥ ११२८ ॥ ३८ ॥ १०५ ॥ १३५ ॥ १०५ ॥ २० ॥  
 गि षु पुत्रिद्विदि प द्विद्वि ॥ न यु गि गल वै ११ ॥ १३ ॥ १५ ॥ १५ ॥ १३  
 ११ ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥  
 उ द यं प्र यांति की टा दि गा द न्य द्वि को स मे ति ॥ २१ ॥ न ग ७  
 ष उ ८ ग जां ८ कां ८ झां १० ॥ क झै लां ७ ग ८ ष द्वां ८ ग ८ नि पु  
 नि र जा ते की लु व शु क्रः प्र ती च्यां म् ॥ उ उ द य ति दि गि १०  
 मा ८ वृ थं ७ ग र्व ८ ग ७ म् ७ न्नु ८ ष द्वा ८ दि ७ ग ज ८ ॥ द न् १०  
 ल को नो ५ ज च्च पु र्वा स मे ति ॥ २२ ॥ ष डि ८ ॥ पु ५ द न् ८ ग जां ८ १२



[illegible]



तो यदा काः शेषां शकाश्च पतीता प्रगच्छन्त्या १५॥ यत्पान्न  
गो निग्राहविहता। अस्मिन् ज्योतिषे ५ नका देया स्यन्ती च फलव  
त्स्फुटयोस्फुटौ तौ ॥ १७॥ कुज उघ्न नृगजानां चेच्चत्तान्को  
तिमः ११ स्यादश १० हतपरीशेषां शानगा ७ द्य ७ मि ३ नृकः ॥  
फलमिषु दत्ते ३५ युक्तमसगो मि १७ नि बा शौ ५७ नवती गति  
ने फलं स्यात्तदा जैन पुर्व ॥ १४॥ त्रिनपैः शरजि युजि शरकै  
न गच्छ पै नि नवैः क्रमात्कुजाद्याः १६३ १४५ १३५ १२७ ११७ ॥  
अजल के दल वै प्रयांती वक्रं न गशांते पसिते ब्रजंति मार्ग



॥ १५ १६ १७ १८ १९ २० २१ २२ २३ २४ २५ २६ २७ २८ २९ ३० ॥ इति लोप यमे २८ रुद्रेति पूर्व  
गुरु री १४ रवि लस्तु सप्त च १७ ॥ स्वस्योदयनागसंवीहीनेन  
गणां पत्र यांति चास्तुम् ॥ १५ ॥ १६ ॥ १७ ॥ १८ ॥ १९ ॥ २० ॥ २१ ॥ २२ ॥ २३ ॥ २४ ॥ २५ ॥ २६ ॥ २७ ॥ २८ ॥ २९ ॥ ३० ॥  
जिनै २४ परे जे नमो रुदये सो यदि नै १५५ नगादि नु कि १७७ ॥  
उदयो न नवे स्या ही दु नी १८ ॥ प्रागस्तो दि गहनै ३९० अष  
दे हस्तु रै ३३६ स्या ॥ १७ ॥ वक्रोदयादि गतां शक तो धी कात्याः  
केंद्रा काः क्षीति सता दि २४ रुता निश्चि न काः ॥ १८ ॥ गं ९३  
कादश १० हतां ग ६ रुता कु १ न का वक्राद्य माप दिव सै क्रम ०



३२  
सरी जाई मां मे। जो त्रं क द ने है ते द ने १८। ३२। ३८ सो ठी गु  
की न त रे के त्रं क जो ने जाय १ १ १ २। ३८ पुनि सा ठी ६० सो गु रो  
त रे के त्रं क जो रे जात ६६७५८ मा ज्य पु नि जा न क सो मा ज्य ने  
मा गु ली न सो इ हां मा ज क त्र द्दी क रु गो मा ज्ये घो रो ह तो ते ह ते  
प हित मा गु न पा वो सो ल द्धं ० से षं + ६६७५८ सो सा ठी गु न की  
न जात ४००५५४० पुनः मा ज के शा १८७७ ८० न कं ल द्धं २० से  
से षं ४६८८० सो सा ठी ६० सो गु रो जा त २६६२८०० पु नि



माज क सो १० ११ २३ जोगुलीन लघुं १५ शेष सा गः चरि के  
तीनि जोग जोग जोग ० १२० ११५ सो द ह को मंद फलें हान पुनि मध्य का  
मुरुज मोद न न न क न व के द न सा त जो के द मे वा दि द्या ना रि  
हो य तो द न जो तु ला दि द्या ६ रा शि हो इ तो क सा सो इ हा के द  
तु ना दि है द ते द ते म म सूर्य सो घटा इ दिन जा तो मंदे स्य यो कः  
२। २। ५३। २२ स्य यो न न य नं स्य व स्य नां शा न य नं शा का द्य न १५५९  
पु नि चारि सै च वा रि स ४४४ घटा इ दिन जा तं १२११ पु नि सा ठी ८०  
सो जोगुलीन लघुं २० पा ये दिन मे ११२५